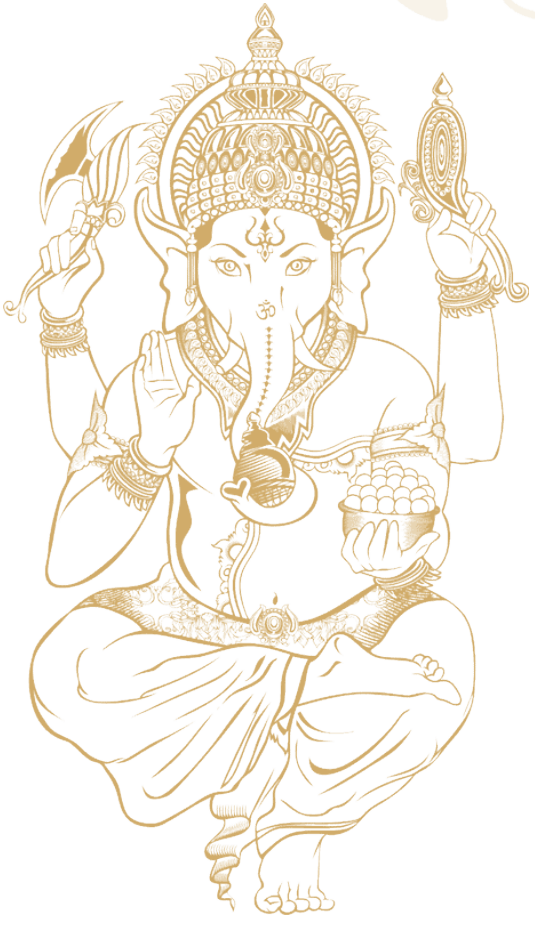

Mr.raushan

27 Feb 2007

01:25 PM

Patna

Model: web-freekundliweb

Order No: 121082203

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/02/2007**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**13:25:00 घंटे**
इष्ट	17:54:55 घटी
स्थान	**Patna**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:37:00 उत्तर
रेखांश	85:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:35:48 घंटे
वेलान्तर	-00:12:50 घंटे
साम्पातिक काल	00:02:54 घंटे
सूर्योदय	06:15:02 घंटे
सूर्यास्त	17:49:20 घंटे
दिनमान	11:34:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	14:22:52 कुम्भ
लग्न के अंश	17:28:58 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	आयुष्मान
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	के-केवल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:28:58	318:55:37	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	---
सूर्य			कुंभ	14:22:52	01:00:17	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	21:21:33	12:55:05	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	मित्र राशि
मंगल			मक	06:59:59	00:45:26	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	उच्च राशि
बुध	व	अ	कुंभ	05:50:39	00:57:27	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
गुरु			वृश्चि	23:41:07	00:06:32	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			मीन	13:23:52	01:13:38	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	उच्च राशि
शनि	व		कर्क	26:22:18	00:04:30	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	22:12:59	00:01:03	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	22:12:59	00:01:03	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	20:21:39	00:03:26	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
नेप			मक	26:14:29	00:02:11	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	---
प्लूटो			धनु	04:43:11	00:01:03	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	06:50:00	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:30

लग्न-चलित

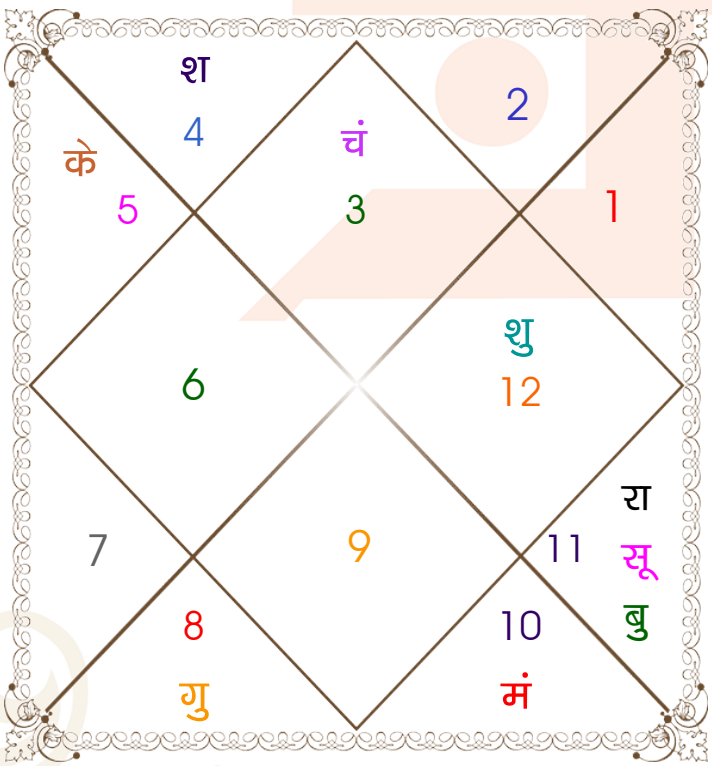

चन्द्र कुंडली

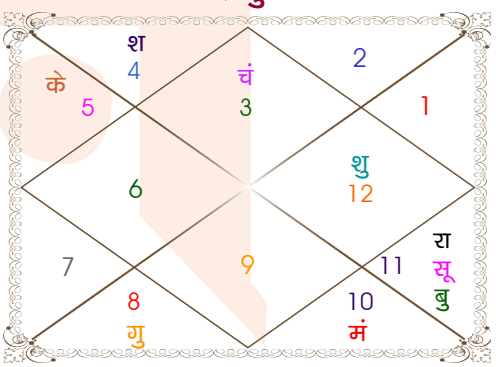

नवमांश कुंडली

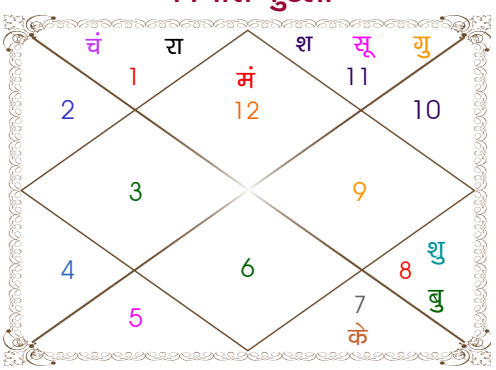

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 14 वर्ष 4 मास 13 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
27/02/2007		11/07/2021		11/07/2040		11/07/2057		11/07/2064	
11/07/2021		11/07/2040		11/07/2057		11/07/2064		11/07/2084	
गुरु	30/08/2007	शनि	14/07/2024	बुध	08/12/2042	केतु	07/12/2057	शुक्र	11/11/2067
शनि	12/03/2010	बुध	24/03/2027	केतु	05/12/2043	शुक्र	07/02/2059	सूर्य	10/11/2068
बुध	17/06/2012	केतु	02/05/2028	शुक्र	05/10/2046	सूर्य	14/06/2059	चंद्र	12/07/2070
केतु	24/05/2013	शुक्र	03/07/2031	सूर्य	11/08/2047	चंद्र	14/01/2060	मंगल	11/09/2071
शुक्र	23/01/2016	सूर्य	14/06/2032	चंद्र	10/01/2049	मंगल	11/06/2060	राहु	10/09/2074
सूर्य	10/11/2016	चंद्र	13/01/2034	मंगल	07/01/2050	राहु	29/06/2061	गुरु	11/05/2077
चंद्र	12/03/2018	मंगल	22/02/2035	राहु	26/07/2052	गुरु	05/06/2062	शनि	11/07/2080
मंगल	16/02/2019	राहु	29/12/2037	गुरु	01/11/2054	शनि	15/07/2063	बुध	12/05/2083
राहु	11/07/2021	गुरु	11/07/2040	शनि	11/07/2057	बुध	11/07/2064	केतु	11/07/2084

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
11/07/2084		12/07/2090		12/07/2100		13/07/2107		12/07/2125	
12/07/2090		12/07/2100		13/07/2107		12/07/2125		00/00/0000	
सूर्य	29/10/2084	चंद्र	12/05/2091	मंगल	08/12/2100	राहु	25/03/2110	गुरु	28/02/2127
चंद्र	29/04/2085	मंगल	11/12/2091	राहु	27/12/2101	गुरु	18/08/2112		00/00/0000
मंगल	04/09/2085	राहु	11/06/2093	गुरु	03/12/2102	शनि	25/06/2115		00/00/0000
राहु	30/07/2086	गुरु	11/10/2094	शनि	11/01/2104	बुध	11/01/2118		00/00/0000
गुरु	18/05/2087	शनि	11/05/2096	बुध	08/01/2105	केतु	29/01/2119		00/00/0000
शनि	29/04/2088	बुध	11/10/2097	केतु	06/06/2105	शुक्र	29/01/2122		00/00/0000
बुध	06/03/2089	केतु	12/05/2098	शुक्र	06/08/2106	सूर्य	24/12/2122		00/00/0000
केतु	11/07/2089	शुक्र	10/01/2100	सूर्य	12/12/2106	चंद्र	24/06/2124		00/00/0000
शुक्र	12/07/2090	सूर्य	12/07/2100	चंद्र	13/07/2107	मंगल	12/07/2125		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 14 वर्ष 4 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।